राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020
चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)
के अन्तर्गत
अधिगम परिणाम पाठ्यचर्या – संरचना (LOCF)

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)
2021-22

संस्कृत विभाग, साहित्य विद्यापीठ

1. विभाग/केंद्र का नाम : संस्कृत विभाग
(Name of the Department / Centre)
2. पाठ्यक्रम का नाम : स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)
(Name of the Programme)
3. पाठ्यक्रम कोड : MSSU
(Code of the Programme)
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs) (Programme Learning Outcomes) :-

प्रस्तुत पाठ्यचर्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को आधार बनाते हुए संस्कृत वाङ्मय की मूल परम्परा को केन्द्र में रखकर अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (LOCF) प्रारूप के आधार पर स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या) हेतु निर्मित है। इस पाठ्यक्रम के ज्ञानात्मक, कौशलात्मक एवं रोजगार परक अभीष्ट परिणाम अधोलिखित हैं।

प्रस्तुत (पाठ्यचर्या) के अभीष्ट परिणाम	
ज्ञान संबंधी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या **राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020** के स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या) हेतु संस्कृत वाङ्मय पर केन्द्रित है। इस पाठ्यचर्या में वैदिक साहित्य, संस्कृत व्याकरणशास्त्र, भारतीय दर्शन , संस्कृत साहित्य एवं भारतीय ज्ञान परपम्परा के आधारभूत विषयों की जानकारी प्रदान की गई है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत विद्यार्थियों को प्रारम्भिक एवं आधारात्मक ज्ञान प्राप्त करवाने में पूर्णत: सक्षम है। इसके ज्ञानात्मक पक्ष के महत्त्वपूर्ण बिंदु अधोलिखित हैं। • संस्कृत भाषा का संरचनात्मक ज्ञान। • संस्कृत साहित्य का प्रारम्भिक संरचनात्मक ज्ञान। • भारतीय दर्शन ज्ञान परम्परा की सामान्य परिचयात्मक ज्ञान। • वैदिक साहित्य का उद्भव एवं विकास तथा परिचयात्मक ज्ञान। • संस्कृत भाषा विज्ञान का आधारभूत ज्ञान। • संस्कृत साहित्य में महाकाव्य, नाटक, गद्य,पद्य आदि का ज्ञान। • भारतीय दर्शन की मूल अवधारणाओं एवं सिद्धान्तों का ज्ञान।
कौशल / दक्षता संबंधी	1. संस्कृत साहित्य एवं आधुनिक विषयों में दक्षता प्राप्त होना। 2. संस्कृत व्याकरण द्वारा भाषापरक दक्षता प्राप्त होना। 3. संस्कृत साहित्य विधाओं द्वारा लेखन में दक्षता होना। 4. भारतीय दर्शन के आध्यात्मिक विषयों का परिचयात्मक दक्षता प्राप्त होना।
रोजगार संबंधी	1. विद्यालय स्तर पर अध्यापन कार्य। 2. योग एवं आध्यात्म विषयों में सहभागिता कार्य। 3. संस्कृत भाषा में लेखन एवं पठन कार्य। 4. साहित्य एवं संस्कृत विषयों में प्रशिक्षक कार्य।

5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अन्तर्गत संचालित स्नातक कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना (Programme Structure) :-

क्रम	वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या					कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल		अनिवार्य		नॉन क्रेडिट पाठ्यचर्या		
			विषय	क्रेडिट	विषय	क्रेडिट			
1.	पहला	पहला	1	06	पर्यावरण	02	क्रेडिट की कोई बाध्यता नहीं। इसके अन्तर्गत चयनित पाठ्यचर्याएँ अतिरिक्त होंगी, किंतु इन्हें अंकपत्र/ ग्रेड सीट पर प्रददर्शित किया जाएगा।	20	सर्टिफिकेट
2.		दूसरा	2	06					
			3	06					
			पहले सेमेस्टर के अनुसार		भारत का संविधान	02	पहले वर्ष पहले सेमेस्टर के अनुसार	20	निष्क्रमण अथवा

6. स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय- समूह :-

समूह – क	समूह – ख	समूह – ग	समूह – घ
हिन्दी भाषा विज्ञान अनुवाद अध्ययन	जनसंचार संस्कृत मराठी उर्दू राजनीतिविज्ञान सिनेमा अध्ययन नाट्यकला शास्त्र	अंग्रेजी फ्रांसीसी स्पेनिश जापानी चीनी इतिहास कंप्यूटर अनुप्रयोग	दर्शनशास्त्र गांधी एवं शान्ति अध्ययन समाज कार्य स्त्री अध्ययन दलित एवं जनजातीय अध्ययन बौद्ध अध्ययन समाजशास्त्र प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन मानवविज्ञान मनोविज्ञान

संस्कृत विभाग

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

प्रथम सेमेस्टर - क्रेडिट - 06

कोर्स प्रकार	कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड)	कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम)	कोर्स क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSSU111	संस्कृत साहित्य परिचय	04	60
	MSSU112	संस्कृत भाषा एवं व्याकरण परिचय	02	30
नॉन क्रेडिट पाठ्यचर्या		-------	---	--
		-------	---	--
	कुल		**06**	**90**

द्वितीय सेमेस्टर - क्रेडिट - 06

कोर्स प्रकार	कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड)	कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम)	कोर्स क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSSU121	भारतीय दर्शन परिचय	04	60
	MSSU122	वैदिक साहित्य परिचय	02	30
नॉन क्रेडिट पाठ्यचर्या		-------	---	--
		-------	---	--
	कुल		**06**	**90**

तृतीय सेमेस्टर - क्रेडिट - 06

कोर्स प्रकार	कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड)	कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम)	कोर्स क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSSU131	संस्कृत साहित्य परिचय -1	04	60
	MSSU132	व्याकरण परिचय	02	30
नॉन क्रेडिट पाठ्यचर्या		-------	---	--
		-------	---	--
	कुल		**06**	**90**

चतुर्थ सेमेस्टर - क्रेडिट - 06

कोर्स प्रकार	कोर्स कोड (प्रश्न पत्र कोड)	कोर्स का नाम (प्रश्न पत्र का नाम)	कोर्स क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSSU141	संस्कृत साहित्य परिचय -1	04	60
	MSSU142	व्याकरण परिचय	02	30
नॉन क्रेडिट पाठ्यचर्या		-------	---	--
		-------	---	--
	कुल		**06**	**90**

स्नातक कार्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : संस्कृत साहित्य परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU111

3. क्रेडिट (Credit) : 04

4. सेमेस्टर (Semester) : प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के परिचय एवं इतिहास विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या मुख्यत: वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य, प्रमुख महाकाव्य साहित्य तथा प्रमुख संस्कृत गद्य साहित्य एवं प्रमुख संस्कृत नाटकों के परिचय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के उपरोक्त विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

1.) ज्ञान / बोध संबंधी

- पाठक संस्कृत साहित्य की विशिष्टता का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- शिक्षार्थी वैदिक एवं लौकिक ज्ञानपरम्परा की जानकारी प्राप्त करेगा।

2.) कौशल / अभ्यास संबंधी

- पाठक संस्कृत साहित्य के विपुल ज्ञानराशि का प्रयोग करेगा ।
- विद्यार्थी नाट्य परम्परा से अभिप्रेरित होकर अपने कौशल प्रयोग करेगा ।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के ज्ञान को समाज के सामने प्रस्तुत करेगा।

3.) नियोजन / रोजगार संबंधी

- पाठक संस्कृत साहित्य के ज्ञान से विविध प्रतियोगि परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- शिक्षार्थी वैदिक एवं लौकिक ज्ञान विधा से समाज में सर्वोत्कृष्ट नागरिक के रूप मे प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा।
- विद्यार्थी संस्कृत नाट्य परम्परा में ज्ञान और अभिनय कौशल से रोजगार प्राप्त करेगा।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		

मॉड्यूल- 1	**संस्कृत साहित्य एवं वैदिक साहित्य का परिचय एवं इतिहास** वैदिक संस्कृत साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य, रामायण, महाभारत एवं पुराण परिचय	12	1	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**प्रमुख संस्कृत महाकाव्यों का परिचयात्मक स्वरूप** रघुवंशम् कुमारसंभवम् नैषधीयचरितम् शिशुपालवधम् का सामान्य परिचय	12	1	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**प्रमुख संस्कृत गद्य साहित्य का परिचयात्मक स्वरूप** कादम्बरी दशकुमारचरितम्, हर्षचरितम् तथा शिवराजविजयम् का सामान्य परिचय	12	1	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल-4	**प्रमुख संस्कृत नाटकों की संक्षिप्त रूपरेखा** अभिज्ञानशाकुन्तलम् किरातार्जुनीयम्, स्वप्नवासवदत्तम् एवं मालविकाग्निमित्रम् का सामान्य परिचय	12	1	1	1	15	**25%**
योग		**48**	**4**	**4**	**4**	**60**	**100%**

- **टिप्पणी:** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**(Topic)** रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8.शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (**Course Learning Outcomes-CLOs**)** :

- संस्कृत साहित्य परिचय द्वारा विद्यार्थी ज्ञान एवं बोध के अधिगम को प्राप्त करेगा।
- संस्कृत नाट्य परम्परा द्वारा कुशलता प्राप्त करेगा।
- संस्कृत सहित्य के ज्ञान से प्रतियोगि परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा।
- नाट्य अभिनय कौशल द्वारा रोजगार ग्रहण करने में समर्थ बनेगा।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	**कक्षा में सतत मूल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	**क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण**	**परियोजना / प्रतिवेदन लेखन**	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30**%	**50**%	**20**%

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. भारतीय साहित्यशास्त्र , बलदेव उपाध्याय , चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. संस्कृत कवि दर्शन , डॉ० भोला शंकर व्यास , चौखम्बा विद्याभवन ,वाराणसी
3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

द्वितीय पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : संस्कृत भाषा एवं व्याकरण परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU112

3. क्रेडिट (Credit) : 02

4. सेमेस्टर (Semester) : प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत भाषा के परिचय एवं व्याकरण विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या मुख्यत: शब्दरूप , धातुरूप , अव्यय , उपसर्ग एवं संख्या, संज्ञा प्रकरण, सन्धि प्रकरण, कारक प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार) पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत भाषा एवं व्याकरण परिचय के उपर्युक्त विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

4.) ज्ञान / बोध संबंधी

- पाठक शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, उपसर्ग एवं संख्या का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- शिक्षार्थी व्याकरण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्राप्त करेगा ।

5.) कौशल / अभ्यास संबंधी

- पाठक व्याकरण शब्दरूपों द्वारा भाषा कौशल प्राप्त करेगा ।
- शिक्षार्थी संभाषण के समय उपर्युक्त विभिन्न बिन्दुओं में अभ्यस्त होने में निपुण होगा ।

6.) नियोजन / रोजगार संबंधी

- पाठक संस्कृत भाषा एवं व्याकरण के ज्ञान द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत भाषा में निपुण बनकर समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा ।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल- 1	**शब्दरूप एवं धातुरूप :** अजन्त एवं हलन्त, टित् लकार (पांच) तथा ङित् लकार (पांच),	12	1	1	1	15	**25%**

	अव्यय एवं उपसर्ग **संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)** लघुसिद्धान्तकौमुदी-मंगलाचरण , माहेश्वरसूत्र एवं प्रत्याहार , वर्णों के भेद , उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न वर्णन एवं अवशिष्ट संज्ञाएँ						
मॉड्यूल-2	**सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)** सन्धि परिचय, अच् सन्धि वर्णन, हल् सन्धि वर्णन, विसर्ग सन्धि वर्णन **कारक प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)** कारक परिचय, कारक के भेद, विस्तार वर्णन एवं अभ्यास	12	1	1	1	15	**25%**
योग		**24**	**2**	**2**	**2**	**30**	**100%**

- **टिप्पणी :** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**(Topic)** रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (**Course Learning Outcomes-CLOs**)** :

- विद्यार्थी व्याकरण के विषयों शब्दरूप, धातुरूप, अव्यय, उपसर्ग एवं संख्या का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- विद्यार्थी सम्भाषण में शब्दरूपों के द्वारा भाषा कौशल प्राप्त करेगा ।
- छात्रा व्याकरण के ज्ञान द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत सम्भाषण में निपुण बनकर समाज में संस्कृत के महत्त्व का प्रचार करेगा ।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	**कक्षा में सतत मूल्यांकन**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य / प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना / प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30**%	**50**%	**20**%

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001,दशम संस्करण, 1985
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं.श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 2,द्वितीय संस्करण, 1988 4. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथमसंस्करण, सन् 1961
3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण **,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : भारतीय दर्शन परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU121

3. क्रेडिट (Credit) : 04

4. सेमेस्टर (Semester) : द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के परिचयात्मक स्वरूप पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या मुख्यत: सांख्य , योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन तथा बौद्ध, जैन एवं चार्वाक् दर्शन के सामान्य परिचय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या भारतीय दर्शन के परिचयात्मक स्वरूप वाले बिन्दुओं का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

7.) ज्ञान / बोध संबंधी
- पाठक दर्शन शब्द का अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप का सामान्य ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- शिक्षार्थी भारतीय दर्शन के संदर्भ में आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन परम्परा की जानकारी प्राप्त करेगा ।

8.) कौशल / अभ्यास संबंधी
- पाठक दार्शनिक विषयों का तात्त्विक चिन्तन ग्रहण करते हुए कौशल प्राप्त करेगा ।
- शिक्षार्थी संभाषण के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी प्रदान करने में समर्थ बनेगा।

9.) नियोजन / रोजगार संबंधी
- पाठक दार्शनिक विषयों की व्याख्या करने में निपुण होगा।
- विद्यार्थी योग के द्वारा विभिन्न प्रकार के रोजगार प्राप्त करेगा।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल- 1	**भारतीय दर्शन** दर्शन शब्द का अर्थ , परिभाषा, **सांख्य एवं योग**	12	1	1	1	15	**25%**

	दर्शन, परिचय एवं प्रमुख अवधारणाएँ						
मॉड्यूल-2	**न्याय एवं वैशेषिक** परिचय एवं प्रमुख अवधारणाएँ	12	1	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन,** परिचय एवं प्रमुख अवधारणाएँ	12	1	1	1	15	**25%**
मॉड्यूल-4	**नास्तिक दर्शन परिचय** बौद्ध, जैन, चार्वाक सामान्य परिचय प्रमुख अवधारणाएँ	12	1	1	1	15	**25%**
योग		**48**	**4**	**4**	**4**	**60**	**100%**

- **टिप्पणी:** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**(Topic)** रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8.शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (**Course Learning Outcomes-CLOs**)** :

- शिक्षार्थी भारतीय दर्शन के संदर्भ में आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन परम्परा का ज्ञान ग्रहण करेगा।
- छात्र दार्शनिक विषयों के तात्त्विक चिन्तन से जीवन की समस्याओं का समाधान करने में समर्थ बनेगा।
- विद्यार्थी दार्शनिक व्याख्यान, योग एवं अद्वैत वेदान्त द्वारा सामाजिक संस्थाओं में रोजगार प्राप्त करेगा।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	**क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण**	**परियोजना / प्रतिवेदन लेखन**	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार / पाठ्य ग्रंथ**	1. सर्वदर्शनसंग्रह, माधवाचार्य, प्रो० उमा शङ्कर शर्मा ऋषि , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 1964 **2.** भारतीय दर्शन, भारतीय दर्शन की रूपरेखा, प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 1995
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	1. भारतीय दर्शन , जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, राधा कृष्णन, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 2015
3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण **,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

द्वितीय पत्र

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : वैदिक साहित्य परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU122

3. क्रेडिट (Credit) : 02

4. सेमेस्टर (Semester) : द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य परिचय विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या मुख्यत: वैदिक साहित्य का इतिहास, वैदिक देवता परिचय, प्रमुख संवाद सूक्त परिचय आदि सामान्य विषयों पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या वैदिक साहित्य परिचय के उपर्युक्त विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

10.) ज्ञान / बोध संबंधी

- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ग्रहण करेगा
- ऋग्वैदिक देवताओ के परिचय से अवगत होगा

11.) कौशल / अभ्यास संबंधी

- सँवाद सूक्तों के विषयों का ज्ञान ग्रहण कर सकेगा

- वैदिक साहित्य के इतिहास से अवगत हो पाएगा

12.) नियोजन / रोजगार संबंधी

- पाठक वैदिक साहित्य के ज्ञान द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- विद्यार्थी वैदिक साहित्य में निपुण बनकर समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा ।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents of the Course**) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल- 1	**वैदिक साहित्य का इतिहास** कालभेद ऋग्वेद का क्रम मन्त्रपाठ भेद वेदांग विभाजन, संहिता, ब्राह्मण , आरण्यक एवं उपनिषद् परिचय एवं प्रमुख अवधारणाएँ	12	1	1	1	15	**50%**
मॉड्यूल-2	**ऋग् वैदिक देवता** अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, बृहस्पति, अश्विनौ,वरुण,उषस्,सोम आदि का परिचय , **संवाद सूक्त** पुरुरवा-उर्वशी, सरमा-पणि, विश्वामित्र-नदी **विशेष सूक्त** नासदीय हिरण्यगर्भ पुरुष सूक्त का परिचय	12	1	1	1	15	**50%**
योग		**24**	**2**	**2**	**2**	**30**	**100%**

- **टिप्पणी :** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**(Topic)** रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (**Course Learning Outcomes-CLOs**)** :

- विद्यार्थी वैदिक साहित्य के सामान्य विषयों का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- विद्यार्थी वैदिक साहित्य के विषयों द्वारा भाषा कौशल प्राप्त करेगा ।
- छात्रा वैदिक ज्ञान द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत में व्याप्त वैदिक ज्ञान में निपुण बनकर समाज में संस्कृत के महत्त्व का प्रचार करेगा ।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	**कक्षा में सतत**	**उपस्थिति**	**सेमिनार***	**सत्रीय-पत्र#**	

	मूल्यांकन				
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	**क्षेत्र-कार्य / प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण**	**परियोजना / प्रतिवेदन लेखन**	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	1. वैदिक देवता उद्भव एवं विकास , गया चरण त्रिपाठी , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली 2 .वैदिक सूक्त मञ्जरी , रघुवीर वेदालङ्कार , चौखम्बा ओरियण्टालिया , दिल्ली , 2009 3. ऋग्सूक्त सन्दर्शिका , डॉ० बालगोविन्द झा , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वारणसी , 2005 4. निरुक्त , यास्क , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि, सम्पादक, चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी , 2001
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति , कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी , 2008 2. .संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (प्रथम भाग-वेद) , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान , लखनऊ 3. निरुक्त के पांच अध्याय , शिवनारायण शास्त्री , सम्पादक , इंडोलॉजिकल बुक हाऊस , दिल्ली , 1972

3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण **,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

तृतीय सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : संस्कृत साहित्य परिचय-1

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU131

3. क्रेडिट (Credit) : 04

4. सेमेस्टर (Semester) : तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक एवं छन्द तथा अंलकार पर आधारित है। इस पाठ्यचर्या में महाकाव्य, गद्य, पद्य, नाटक के ग्रन्थों का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया गया है। इसमें छन्द एवं अंलकारों का वर्णन समाहित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत साहित्य के उपर्युक्त विषयों का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

13.) ज्ञान / बोध संबंधी

- पाठक संस्कृत साहित्य के विशिष्ट आचार्यों की काव्यपरम्परा से ज्ञानार्जन करेगा ।
- शिक्षार्थी संस्कृत साहित्य की गद्य परम्परा का अवगाहन करेगा ।
- छात्र संस्कृत में वर्णित अंलकार एवं छन्दों का ज्ञानार्जन करेगा।

14.) कौशल / अभ्यास संबंधी

- पाठक संस्कृत साहित्य के नाट्य स्वरूप का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- विद्यार्थी नाट्य परम्परा से अभिप्रेरित होकर अपने कौशल का समुचित समन्वय स्थापित करेगा।
- भारतीय नाट्य परम्परा के ज्ञान को समाज के सामने सम्यक रीति से प्रस्तुत करेगा ।

15.) नियोजन / रोजगार संबंधी

- छात्र गद्य साहित्य की विशिष्टतम ज्ञान विधा के ज्ञान से गद्य लेखन को रोजगार के रूप में विकसित करने में सामर्थ्य प्राप्त करेगा।
- ज्ञानार्थी संस्कृत की प्राच्य नाट्य परम्परा द्वारा सम्यक् अवबोधन से नाट्य तथा अभिनय के क्षेत्र में महनीय स्थान प्राप्त करेगा।
- विद्यार्थी संस्कृत की छन्द और अलंकार परम्परा के द्वारा संगीत परम्परा में सफलता अर्जित करेगा।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल- 1	**महाकाव्य** रघुवंशम् प्रथम सर्ग एवं द्वितीय सर्ग	12	2	0	1	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**गद्यकाव्य** दशमकुमार चरितम् (सोमदत्त कथा)	12	2	0	1	15	**25%**
मॉड्यूल-3	**नाटक** अभिज्ञानशाकुंतलम् चतुर्थ अंक	12	2	0	1	15	**25%**
मॉड्यूल-4	**छंद एवं अलंकार** परिचय	12	2	0	1	15	**25%**
योग		**48**	**8**	**0**	**4**	**60**	**100%**

- **टिप्पणी:** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक(Topic) रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8.शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs) :

- शिक्षार्थी संस्कृत साहित्य के विशिष्ट आचार्यों की काव्यपरम्परा से ज्ञानार्जन करेगा ।
- शिक्षार्थी संस्कृत में वर्णित अंलकार एवं छन्दों का ज्ञानार्जन करेगा।
- छात्र गद्य साहित्य की विशिष्टतम ज्ञान विधा के ज्ञान से गद्य लेखन को रोजगार प्राप्त करेगा।

- ज्ञानार्थी संस्कृत की प्राच्य नाट्यपरम्परा अवबोधन से नाट्य तथा अभिनय के क्षेत्र में स्थान प्राप्त करेगा।
- विद्यार्थी संस्कृत की छन्द और अलंकार परम्परा के द्वारा संगीत परम्परा में सफलता अर्जित करेगा।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	**क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण**	**परियोजना / प्रतिवेदन लेखन**	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	20**%**

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

		(APA प्रारूप में)
1.	**आधार / पाठ्य ग्रंथ**	1. रघुवंशम् , मल्लिनाथ , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. दशमकुमारचरितम् (सोमदत्त कथा), चन्द्रकला व्या. शेषराज शर्मा रेग्मी , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 3. कादम्बरी (शुकनासोपदेश), भट्ट मथुरा नाथ शास्त्री , निर्णय सागर प्रेस , मुम्बई
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	1. अभिज्ञानशाकुंतलम् (प्रथम एवं चतुर्थ अंक) , सुधाकर मालवीय , सरला हिन्दी व्या. , चौखम्बा संस्कृत सीरिज , वाराणसी 2. अलंकारसर्वस्वम् , हिंदी टीका सहित , रेवाप्रसाद द्विवेदी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : व्याकरण परिचय

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSSU132

3. क्रेडिट (Credit) : 02

4. सेमेस्टर (Semester) : तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या संस्कृत व्याकरण परिचय विषय पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या मुख्यत: कारक प्रकरण एवं समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार) पर आधारित है। यह पाठ्यचर्या संस्कृत भाषा एवं व्याकरण के संदर्भ में कारक एवं समास का सामान्य ज्ञान करवाने में पूर्ण सक्षम है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

16.) ज्ञान / बोध संबंधी

- पाठक कारक प्रकरण एवं समास प्रकरण का ज्ञान ग्रहण करेगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत कारक एवं समासगत उदाहरणों की जानकारी प्राप्त करेगा ।

17.) कौशल / अभ्यास संबंधी

- पाठक संस्कृत भाषा में कारक एवं समासगत वाक्यनिर्माण में कुशलता प्राप्त करेगा ।
- ज्ञानार्थी कारक प्रकरण के ज्ञान से संस्कृत लेखन अभ्यास में निपुण होगा ।

18.) नियोजन / रोजगार संबंधी

- छात्र संस्कृत भाषा एवं व्याकरण के ज्ञान संस्कृत प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेगा ।
- विद्यार्थी संस्कृत भाषा में निपुण बनकर समाज में सभ्य भाषा का प्रयोग करते हुए प्रतिष्ठा करेगा ।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (**Contents of the Course**) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा शिक्षण ऑनलाइन / ऑफलाइन	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल- 1	**कारक प्रकरण** लघुसिद्धान्त कौमुदी **(प्रमुख सूत्र)**	12	2	0	1	15	**25%**
मॉड्यूल-2	**समास - प्रकरण** लघुसिद्धान्त कौमुदी **(प्रमुख सूत्र)**	12	2	0	1	15	**25%**
योग		**24**	**4**	**0**	**2**	**30**	**50%**

- **टिप्पणी:** माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक**(Topic)** रखे जा सकते हैं और किसी शीर्षक के अन्तर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub Topic) हो सकते हैं।

8.शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching) :

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला द्वारा शिक्षण श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (**Course Learning Outcomes-CLOs**)** :

- छात्र कारक प्रकरण एवं समास प्रकरण का ज्ञान ग्रहण करने में समर्थ होगा।
- विद्यार्थी संस्कृत कारक एवं समासगत वाक्यों की जानकारी प्राप्त करेगा ।
- पाठक संस्कृत भाषा के सामान्य ग्रन्थों के अध्ययन में कुशलता प्राप्त करेगा ।
- छात्र कारक प्रकरण के ज्ञान से संस्कृत लेखन अभ्यास में निपुण होगा ।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए।

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	√	√	√	√	--	--	--	--

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना / प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

12. अध्ययन हेतु आधार /संदर्भ ग्रंथ/ स्रोत (Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार/पाठ्य ग्रंथ**	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. कौशल किशोर पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 221002, प्रथम संस्करण, 1995 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं. श्रीगोमतीप्रसाद शास्त्री मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी - 221001,दशम संस्करण, 1985
2.	**संदर्भ-ग्रंथ**	3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, पं.श्रीसूर्यनारायण शुक्ल, वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी - 2, द्वितीय संस्करण, 1988 4. प्रौढ-रचनानुवादकौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर, प्रथमसंस्करण, सन् 1961
3.	**ई-संसाधन**	आई सी टी आधारित शिक्षण **,** शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग **,** ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4.	**अन्य**	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(शिक्षक के हस्ताक्षर) **(विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर)**